बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 26/2025 **दिनांक-08अप्रैल 2025**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(08-13अप्रैल 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- **भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 08-13 अप्रैल के मध्य जिले में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं एवं बूंदा बांदी-बांदी होने का अनुमान है।**
- **अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 21-23 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।**
- **सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75-80 प्रतिशत तथा दोपहर में 45-50 प्रतिशत रहने की संभावना है।**
- **पूर्वानुमान की अवधि में 04-10 किमी/घंटा की रप्तार से कल पछिया एवं उसके बाद पूरबा हवा चल सकती है।**

फसल	समसामयिक सुझाव
सामान्य सलाह	पूर्वानुमानित अवधि में बूंदा बांदी की संभावना को देखते हुए गेहूँ की कटनी करते समय सावधानी बरतें तथा सरसों, मसूर, चन्ना फसलों की दौनी एवं दानो को सुखाकर भंडारण प्राथमिकता से करें।
गरमा मूंग तथा उरद	गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर 10 अप्रैल से पहले संपन्न करें। बुआई के पूर्व 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस0एम0एल0-668, एच0यू0एम0-16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-19, पंत उरद-31, नवीन एवं उत्तरा किस्में अनुशंषित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से शोधित करें। बुआइ के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राइजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआइ करें। बीजदर छोटे दानें के प्रभेदों हेतु 20-25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30-35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
बैंगन	बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्व प्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
आम	आम में मटर के दाने के बराबर की अवस्था हो गयी है, इस अवस्था में में रेड बैंडेड कैटरपिलर से बचाव के लिए अल्फामेथ्रीन 10 10 EC दवा का 1 मि°ली° प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें तथा 15-20 दिनों के अन्तराल पर दूसरा छिड़काव करें एवं तीसरा छिड़काव 15-20 दिनों के बाद नीम आधारित कीटनाशी दवा का 4.00 मि°ली° प्रति लीटर पानी की दर करें।
सब्जियाँ	गरमा सब्जी की बुआई प्राथमिकता से संपन्न करें। लौकी की अर्का बहार, काशी कोमल, काशी गंगा, पूसा समर, प्रोलिफिक लाँग, पूसा मेद्यदूत, पूसा मंजरी, पूसा नवीन किस्मों की बुआई करें। तरबूज की अर्का मानिक, दुर्गा पुर मधु, सुगरबेली, अर्का ज्योती (संकर) तथा खरबूज की अर्का जीत, अर्का राजहंस, पूसा शर्बती किस्में अनुशंषित है। नेनुआ की पूसा चिकनी, स्वर्ण प्रभा, करैला की अर्का हरित, काशी उर्वषी, पूसा विशेष, की बुआई करें। खेत की जुताई में 20-25 टन गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
पशुपालन	दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए पूरा दूध निकालें और दूध दोहन के बाद थनों को कीटाणुनाशक घोल से धोयें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 01.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	**आज का न्यूनतम तापमानः 22.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस अधिक**

(डॉ0 नेहा पारीक) वैज्ञानिक (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)	(डॉ0. बीरेंद्र कुमार) नोडल पदाधिकारी (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)